उद्देश्य अधूरा? जल संरक्षण का सपना या लाखों की लागत से बने सूखे तालाब सवालों के घेरे में, सरकार की महत्वाकांक्षी योजना खटाई में

सरोवर में एक बूंद पानी नहीं, ये कैसा अमृत सरोवर

डिंडोरी नवभारत 2 जून। देशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों को जल संकट से राहत दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया 'मिशन अमृत सरोवर' आज कई स्थानों पर सवालों के घेरे में दिखाई दे रहा है।

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य गांव-गांव में जल संरक्षण के स्थायी साधन विकसित करना, भूजल स्तर बढ़ाना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना था, लेकिन डिंडौरी जिले के अमरपुर विकासखंड सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना की जमीनी हकीकत सरकारी दावों से काफी अलग नजर आ रही है।

जल संरक्षण की बड़ी पहल

सरकार ने मिशन अमृत सरोवर के माध्यम से प्रत्येक जिले में कम से कम 75 तालाब विकसित करने का लक्ष्य रखा था। इन सरोवरों को केवल जल संग्रहण का माध्यम नहीं बल्कि ग्रामीण विकास के केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई थी। योजना के तहत तालाबों के माध्यम से वर्षा जल संग्रहण, भूजल पुनर्भरण, सिंचाई सुविधा, मत्स्य पालन, बत्तख पालन, सब्जी उत्पादन और महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की रणनीति तैयार की गई थी।

करोड़ों रुपये की राशि खर्च की गई

सरकार का मानना था कि यदि गांवों में पर्याप्त जल भंडारण की व्यवस्था हो जाए तो किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा, ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और महिलाएं स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। इसके लिए करोड़ों रुपये की राशि विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से खर्च की गई।

गर्मी आते ही सूख जाते हैं तालाब

अमरपुर विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ब्लॉक में बनाए गए अधिकांश अमृत सरोवर वर्तमान भीषण गर्मी में पूरी तरह सूख चुके हैं। कुछ चुनिंदा सरोवरों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश तालाबों में एक बूंद पानी तक नहीं बचा है।

समुचित तकनीकी अध्ययन नहीं किया गया

ग्रामीणों का आरोप है कि इन सरोवरों का निर्माण बिना समुचित तकनीकी अध्ययन के किया गया। कई स्थानों पर प्राकृतिक नालों को रोककर तालाब बनाए गए, लेकिन उनकी तल सतह और पाल की मजबूती पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। परिणामस्वरूप बारिश का पानी कुछ महीनों तक तो रुकता है, लेकिन बाद में तेजी से रिसकर समाप्त हो जाता है।

महिला स्व-सहायता समूहों का सपना अधूरा

मिशन अमृत सरोवर का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना भी था। योजना के अनुसार तालाबों को महिला समूहों को आवंटित किया जाना था ताकि वे मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन, जल आधारित कृषि और अन्य गतिविधियों के माध्यम से आय अर्जित कर सकें। लेकिन जब तालाबों में पानी ही नहीं बच रहा है तो इन गतिविधियों का संचालन संभव नहीं हो पा रहा। लेकिन जल की उपलब्धता नहीं होने के कारण किसी प्रकार का उत्पादन सरोवर में नहीं हो पा रहा हैं। इससे आत्मनिर्भरता का सपना अधूरा रह गया है।

कुड़ी डैम में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

- शव की स्थिति को देखते हुए मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा

चिल्हारी नवभारत 2 जून। जिले के इंदवार थाना अंतर्गत अमरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के कुड़ी डैम में लगभग 35 वर्षीय अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी दोपहर को मिलते ही अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

स्थानीय लोगों द्वारा डैम में शव दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को बाहर निकलवाया तथा पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर की मरचुरी में रखवाया है।

परिजनों की तलाश में जुटी पुलिस

मृतका की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में उसकी शिनाख्त और परिजनों की तलाश में जुटी हुई है। शव की स्थिति को देखते हुए मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, हालांकि महिला की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे

मामले की जांच अमरपुर चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह द्वारा की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है और आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मृतका की पहचान एवं मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शिकायतों पर तुरंत कार्यवाही और अपराधों का निकाल हो : एसपी

- बेलबाग थाने पहुंचे एसपी, हवालात, मालखाना देखा, रजिस्टरों को किया चेक

नवभारत,जबलपुर। लंबित अपराधों हो हर हाल में निकाल किया जाएं । शिकायतों पर तुरंत कार्यवाही हो। सीएम हेल्पलाईन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का संतुष्टीपूर्ण निकाल करें । यह बातें पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने बेलबाग थाने का वार्षिक निरीक्षण करते हुए कहीं । उन्होंने हवालात, मालखाना, जप्ती माल, आर्म्स एम्यूनेशन, राईट ड्रिल सामग्री एवं संधारित किये जाने वाले रजिस्टरों को चैक किया । अपराधों की समीक्षा करते हुये विवेचना में लंबित अपराधों के निकाल के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए । इसके साथ ही सायबर हैल्प डैस्क का निरीक्षण करते हुये साइबर फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं मोबाइल गुमने जैसी अन्य साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक ओमती सोनू कुर्मी , थाना प्रभारी बेलबाग जितेन्द्र पाटकर उपस्थित रहे।

सोन नदी में अवैध रेत उत्खनन का आरोप, ग्रामीणों ने कार्रवाई की उठाई मांग

शहडोल। क्षेत्र के सकरिया बोचकी के समीप स्थित सोन नदी में कथित रूप से अवैध रेत उत्खनन किए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बाहरी लोगों द्वारा नदी से लगातार रेत निकाली जा रही है और उसका भंडारण कर सड़क किनारे बड़े-बड़े ढेर लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार अवैध उत्खनन के चलते सोन नदी के प्राकृतिक स्वरूप पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि लगातार हो रहे रेत खनन से नदी का जलस्तर और आसपास का पारिस्थितिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में रेत माफिया सक्रिय हैं और नियमों की अनदेखी कर खुलेआम रेत का उत्खनन किया जा रहा है। इससे शासन को राजस्व की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र में अव्यवस्था की स्थिति भी निर्मित हो रही है।ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा अवैध रेत उत्खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर में संसाधनों की कमी

चिल्हारी नवभारत । जिले के मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम अमरपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा दिया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से विशाल भवन का निर्माण भी कराया गया, लेकिन आज तक यहां आवश्यक संसाधनों और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त डॉक्टर, विशेषज्ञ चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, मरीजों के लिए पर्याप्त बेड, आवश्यक चिकित्सा उपकरण तथा शव वाहन जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। इसके कारण गंभीर मरीजों को उपचार के लिए अक्सर बरही अथवा कटनी जिला अस्पताल रेफर करना पड़ता है। वहीं किसी मरीज की मृत्यु होने की स्थिति में परिजनों को शव ले जाने के लिए भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पर्याप्त चिकित्सकीय स्टाफ की नियुक्ति की मांग-ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र के उन्नयन और भवन निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उम्मीद थी, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण मरीजों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर उपचार नहीं मिलने से लोगों की समस्याएं और बढ़ जाती हैं। क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि अमरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त चिकित्सकीय स्टाफ की नियुक्ति, मरीजों के लिए बेड, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, एम्बुलेंस एवं शव वाहन जैसी आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराई जाएं।

साड़ी गोदाम में भीषण आग, लाखों का नुकसान

नवभारत, धनपुरी। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17 स्थित माइकल चौक में सोमवार तड़के एक सेकेंड हैंड साड़ी गोदाम में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हो गया। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते गोदाम में रखा सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस अग्निकांड में करीब 15 लाख रुपये से अधिक की सामग्री नष्ट हो गई है।

जानकारी के मुताबिक गोदाम वार्ड क्रमांक 17 निवासी कपड़ा व्यवसायी मोहम्मद अरशद का बताया जा रहा है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। घटना के समय अचानक उठती ऊंची लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। चूंकि गोदाम घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र में स्थित है, इसलिए स्थानीय नागरिकों को किसी बड़े हादसे की आशंका सताने लगी। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। संकरी गलियों और अन्य परिस्थितियों के कारण दमकल वाहन को पहुंचने में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन मौके पर पहुंचते ही दमकल कर्मियों ने पूरी मुस्तैदी और तत्परता के साथ आग बुझाने का कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो आग आसपास के मकानों तक फैल सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था।

पुलिस अधीक्षक ने सुनीं आवेदकों की शिकायतें

नवभारत जबलपुर । आम जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जन सुनवाई आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय ने जनसुनवाई में उपस्थित शिकायतकर्ताओं की समस्याएं गंभीरता से सुनी और त्वरित निराकरण किए जाने आश्वासन दिया।

जन सुनवाई में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र से आए शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें अधिकांश शिकायतें पति-पत्नी एवं पारिवारिक विवाद, जमीन संबंधी मामले, मारपीट तथा साइबर अपराध से संबंधित रहीं। सुनवाई के दौरान कुल लगभग 75 शिकायतें प्राप्त हुईं। सुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी शिकायतकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों पर शीघ्र वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। जन सुनवाई में प्राप्त समस्त शिकायतों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण किए जाने संबंधित थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जन सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात अंजना तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक बरगी अंजुल अयंक मिश्रा एवं उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय उपस्थित रहीं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर एवं देहात के थानों एवं चौकियों में भी जन सुनवाई कर शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनी गईं।

कटंगी मंडलम क्र .-1 की कांग्रेस कार्यकारिणी का गठन, 11 पदाधिकारियों की घोषणा

नवभारत कटंगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के निर्देशानुसार तथा जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष श्री संजय यादव जी की अनुसंसा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कटंगी के अध्यक्ष नारायण सिंह जी सहमति से कांग्रेस मंडलम क्रमांक-1 के अध्यक्ष मनीष चौरसिया ने 11 पदाधिकारियों की घोषणा की है।

घोषित कार्यकारिणी में अमित यादव को कोषाध्यक्ष, मुकेश कुकरेले एवं इमरोज खान को उपाध्यक्ष, डॉ. नंद किशोर सोनी, राजेश झारिया तथा संजय जैन को महासचिव नियुक्त किया गया है। वहीं विक्रम यादव, टिंकू बजाज, मुहम्मद इक़रार एवं शेख शरीफ को सचिव तथा राजा जैन को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। मंडलम क्रमांक-1 की नई कार्यकारिणी के गठन पर कांग्रेसजनों में उत्साह का माहौल है। पार्टी कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की अपेक्षा व्यक्त की है।

श्री कोमल चंद्र जैन का निधन

पनागर/शहपुरा । निवासी श्री कोमल चंद्र जी जैन का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया आप कमल कुमार,विमल जैन पत्रकार,सनिल जैन,दीपक जैन के पिता जी थे अंतिम संस्कार जगमोहन वार्ड पड़ाव पास स्थित शमशान घाट पर किया गया

तलवान टोला के ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे

शहपुरा नवभारत 2 जून। शहपुरा विकासखंड में आज़ादी के 75 साल बाद भी एक गांव के लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। ग्राम पंचायत पायली घुघरी के तलवान टोला में करीब 150 ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गर्मी के दिनों में उन्हें मिलो दूर नाले में झिरिया खोदकर पानी लाना पड़ता है, जबकि बरसात के मौसम में गंदा और दूषित पानी पीने की मजबूरी बन जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार जनपद पंचायत और संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दीं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

एसडीएम ने मामले को तत्काल संज्ञान में लिया-पेयजल संकट से परेशान ग्रामीण जब जनसुनवाई में एसडीएम कार्यालय शहपुरा पहुंचे, तो एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने जनपद पंचायत सीईओ और पीएचई विभाग के एसडीओ को ग्रामीणों के साथ मौके पर भेजकर स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

भ्रष्टाचार 'ब्यौहारी तहसील में लोकायुक्त का छापा

75 हजार की रिश्वत लेते सहायक खंड लेखापाल रंगे हाथों गिरफ्तार

ब्यौहारी। जिले के ब्यौहारी तहसील परिसर से भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां रीवा लोकायुक्त की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

लोकायुक्त पुलिस ने ब्योहारी तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक खंड लेखापाल लल्लू प्रजापति को 75,000 रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी कर्मचारी एक सरकारी मकान से जुड़े मामले को निपटाने और उस पर से अवैध कब्जा हटाने के एवज में पीड़ित से मोटी रकम का सौदा कर रहा था। मिली जानकारी के अनुसार, बाणसागर के रहने वाले शिकायतकर्ता रमेश प्रसाद रजक पिता मंगल प्रसाद रजक ने लोकायुक्त कार्यालय रीवा में इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी कि तहसील के सहायक खंड लेखापाल लल्लू प्रजापति उनके सरकारी मकान के मामले को रफा-दफा करने के लिए रिश्वत की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि शिकायतकर्ता रमेश प्रसाद रजक कोई आम नागरिक नहीं, बल्कि नगर परिषद खांड की उपाध्यक्ष सुधा रजक के पति हैं। जनप्रतिनिधि के परिवार से जुड़े होने के बावजूद आरोपी कर्मचारी उन पर लगातार पैसों के लिए दबाव बना रहा था।

पहले भी ले चुका था 35,000 रूपये एडवांस

लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि आरोपी लल्लू प्रजापति ने पीड़ित रमेश रजक से सरकारी मकान का मामला पूरी तरह सुलझाने के नाम पर बड़ा सौदा किया था। इस सौदे के तहत आरोपी ने शिकायतकर्ता से पूर्व में ही 35,000 रूपये की राशि एडवांस के रूप में ऐंठ ली थी। इसके बाद भी वह बाकी की रकम के लिए लगातार दबाव बना रहा था, जिससे परेशान होकर पीड़ित ने कानून की मदद लेने का फैसला किया।

तहसील परिसर में बिछाया गया जाल

शिकायत की पुष्टि होने के बाद लोकायुक्त रीवा की टीम ने ब्योहारी तहसील कार्यालय में घेराबंदी की। तय रणनीति के मुताबिक, जैसे ही रमेश प्रसाद रजक ने आरोपी लल्लू प्रजापति को 75,000 रूपये की नकद राशि थमाई, वैसे ही सादे कपड़ों में मुस्तैद लोकायुक्त की टीम ने धावा बोल दिया। आरोपी को रिश्वत के पैसों के साथ रंगे हाथों दबोच लिया गया और उसके हाथ धुलवाए जाने पर वे गुलाबी हो गए।

15 दिनों के भीतर दूसरी बड़ी कार्रवाई, हड़कंप

इस कार्रवाई के बाद पूरे तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई और अन्य कर्मचारियों में हड़कंप देखा गया। ध्यान देने वाली बात यह है कि ब्योहारी में भ्रष्टाचार का यह कोई पहला मामला नहीं है। महज 15 दिन पहले ही लोकायुक्त रीवा की टीम ने ब्योहारी के ब्यौहारी कार्यालय में भी एक अन्य कर्मचारी को रिश्वत लेते हुए दबोचा था। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों ने प्रशासनिक हलकों में भ्रष्टाचार की जड़ों को उजागर कर दिया है। फ़िलहाल लोकायुक्त पुलिस आरोपी के खिलाफभ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।